

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MVS-001

एम. ए. वैदिक अध्ययन

(एम.ए.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.वी.एस.-001 : वेद-वेदाङ्ग परिचय

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग—क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं। $4 \times 15 = 60$

1. ऋग्वेद संहिता का विस्तार परिचय लिखिए।
2. वैदिक संहिताओं के स्वरूप पर निबन्ध लिखिए।
3. पठित अंश के आधार पर ब्राह्मण साहित्य का परिचय लिखिए।

D-3174/MVS-001

P. T. O.

4. उपनिषद् से क्या समझते हैं? उपनिषद् साहित्य का वर्णन लिखिए।
5. आरण्यक-साहित्य की विषयवस्तु का विस्तृत वर्णन कीजिए।
6. शिक्षा से क्या तात्पर्य है? शिक्षा के प्रयोजन एवं शिक्षा-ग्रन्थों के प्रतिपाद्य का विस्तृत वर्णन कीजिए।
7. व्याकरण का क्या प्रयोजन है? विस्तृत वर्णन कीजिए।
8. छन्दों का प्रयोजन बताते हुए सम्बद्ध ग्रन्थों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

भाग—ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

$$4 \times 10 = 40$$

9. किसी एक ब्राह्मण-ग्रन्थ का प्रतिपाद्य विषय लिखिए।
10. सामवेद-संहिता का परिचय लिखिए।
11. अथर्ववेद-संहिता का परिचय लिखिए।
12. निरुक्त का प्रयोजन लिखिए।
13. व्याकरण के आचार्यों का वर्णन कीजिए।
14. ज्योतिषशास्त्र का प्रयोजन अपने शब्दों में लिखिए।
15. सूत्र-साहित्य का परिचय लिखिए।
16. कल्प से क्या समझते हैं? कल्प का प्रयोजन लिखिए।

x x x x x

D-3174/MVS-001